भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4125

गुरुवार, 18 जुलाई, 2019/27 आषाढ़, 1941 (शक)

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करना

4125. श्री जयंत सिन्हाः

श्री धनुष एम. कुमारः

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने गत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं को पूरा करने के लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इन परियोजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं;

(ग) राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं अधूरी हैं;

(घ) कितनी प्रतिशत परियोजनाएं लागत और समय की कमी का सामना कर रही हैं;

(ङ) तमिलनाडु में निर्मित राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई कितनी है और इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई है; और

(च) देश में विशेषकर तमिलनाडु में वर्तमान में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई कितनी है और इसे पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) एवं (ख): पिछले पांच वर्षों के दौरान लक्ष्य और उपलब्धि निम्नानुसार है:

वर्ष	लक्ष्य (लंबाई किमी में)	उपलब्धि (लंबाई किमी में)
2014-15	6300	4410
2015-16	10950	6061
2016-17	15000	8231
2017-18	15000	9829
2018-19	10000	10855

कुछ वर्षों में लक्ष्यों की पूर्ण रूप से प्राप्ति मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण, जनोपयोगी सुविधाओं का अंतरण, मिट्टी/गिट्टी जैसी निर्माण सामग्री की अनुपलब्धता, ठेकेदारों का खराब प्रदर्शन, पर्यावरण/वन/वन्यजीव मंजूरी, रेलवे के साथ आरओबी/आरयूबी मुद्दे, अतिरिक्त सुविधाओं के लिए जन आंदोलन, ठेकेदारों के साथ मध्यस्थता/ अनुबंध संबंधी विवादों आदि के कारण नहीं की जा सकी। परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम **अनुलग्नक-I** में दिए गए हैं।

(ग) एवं (घ): देश में लगभग 1495 परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिसमें से लगभग 30% परियोजनाएं समय-लंघन से प्रभावित हैं। निर्माणाधीन परियोजनाओं का राज्य / संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ङ.): मंत्रालय ने पिछले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य में लगभग 9221 करोड़ रुपये के व्यय से 1426 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है।

(च): 52,948 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ कार्यान्वित की जा रही हैं, जिनमें से 2,501 किलोमीटर परियोजनाएँ तमिलनाडु में हैं। इन परियोजनाओं को अगले 4 वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अनुलग्नक-।

'राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करना' के संबंध में श्री जयंत सिन्हा और श्री धनुष एम. कुमार द्वारा दिनांक 18.07.2019 को पूछे गए लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या 4125 के भाग (क) एवं (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को कारगर बनाना
- विवाद निपदान तंत्र की पुनर्संरचना
- भूमि अधिग्रहण, मंजूरी इत्यादि के अनुसार पर्याप्त तैयारी के पश्चात् परियोजनाओं का ठेका देना। विभिन्न मंत्रालयों / विभागों से मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया संरेखण के अंतिम रूप देने और अंतिम व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत कर दिए जाने के साथ साथ शुरु की जाएगी।
- ठीक तरह से तैयार किए गए जनसुविधा आकलनों को संरेखन को अंतिम रूप दिए जाने के पश्चात् शीघ्रताशीघ्र प्राप्त किया जाएगा और वह मूल्यांकन प्रस्ताव का भाग होगा।
- परियोजना मूल्यांकन प्रक्रिया अंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और तकनीकी अनुसूचियां की प्राप्ति पर शीघ्रताशीघ्र शुरु की जानी चाहिए।
- आरओबी : आरओबी के लिए रेलवे द्वारा अनुमोदित जीएडी की प्रक्रिया सरल की गयी है और ऑनलाइन कर दी गयी है। रखरखाव प्रभारें जो कई परियोजनाओं की प्रगति में अवरोध पैदा कर रहीं थी, के लिए रेलवे द्वारा छूट दे दी गयीं हैं। मानक डिजाइन को वेबसाइट पर रखा गया है।
- अन्य मंत्रालयों और राज्य सरकारों के साथ निकट समन्वयन
- एकबारगी निधि निवेश
- बोली प्रक्रिया शुरु करने से पहले भूमि अधिग्रहण के बड़े हिस्से के अधिग्रहण का कार्य पूरा करना।
- विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा।
- इक्विटी निवेशकों के लिए प्रस्तावित निकास।
- सड़क क्षेत्र ऋणों का प्रतिभूतिकरण।
- प्राधिकरण के कारण हुए विलंबों के लिए क्षतिपूर्ति को तर्कसंगत बनाना।

अनुलग्नक-।।

'राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करना' के संबंध में श्री जयंत सिन्हा और श्री धनुष एम. कुमार द्वारा दिनांक 18.07.2019 को पूछे गए लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या 4125 के भाग (ग) एवं (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

31.03.2019 की तिथि के अनुसार निर्माणाधीन परियोजनाओं का राज्यवार ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य	निर्माणाधीन कार्यों की कुल संख्या
1	आंध्र प्रदेश	63
2	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	8
3	अरुणाचल प्रदेश	48
4	असम	66
5	बिहार	66
6	छत्तीसगढ़	63
7	दिल्ली	13
8	गोवा	16
9	गुजरात	53
10	हरियाणा	39
11	हिमाचल प्रदेश	44
12	जम्मू और कश्मीर	24
13	झारखंड	43
14	कर्नाटक	84
15	केरल	26
16	मध्य प्रदेश	67
17	महाराष्ट्र	219
18	मणिपुर	25
19	मेघालय	10
20	मिजोरम	9
21	नगालैंड	23
22	ओडिशा	48
23	पुदुच्चेरी	2
24	पंजाब	60
25	राजस्थान	59
26	सिक्किम	13
27	तमिलनाडु	79
28	तेलंगाना	38
29	त्रिपुरा	8
30	उत्तर प्रदेश	67
31	उत्तराखंड	61
32	पश्चिम बंगाल	51
	कुल	**1495**

*****